

पटसन के निर्यात में भारत का पाकिस्तान की तुलना में पिछड़ जाना

*1274. श्री कूलचन्द्र वर्मा : क्या बिदेस व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पटसन के निर्यात में भारत, पाकिस्तान की तुलना में गत तीन वर्षों से बिदेस मण्डी में पिछड़ता चला आ रहा है ; और

(ख) यदि हाँ, तो इस कमी को पूरा करने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

बिदेस व्यापार मंत्री (श्री ए० ए० ए० सिन्घ) : (क) और (ख). गत तीन वर्षों में बिदेस-बाजारों को भारत से होने वाले पटसन के निर्यातों में गिरावट आई है जब कि पाकिस्तान से होने वाले निर्यातों में वृद्धि हुई है ।

इस गिरावट के लिये उत्तरदायी कारण ये हैं : (1) पाकिस्तान से किये जाने वाले निर्यातों के लिये बोनास वाउचरों से विद्यमान होने के कारण, वे सुनियोजित ढंग से भारतीय कीमतों की अपेक्षा कम कीमतें रख सकते हैं, (2) भारत में कच्चे माल की कमी (3) संश्लिष्ट माल से बढ़ती हुई प्रतियोगिता, (4) विपुल परिमाण में माल हैण्डल करने के तरीकों का अधिकाधिक प्रयोग (5) पटसन उद्योग में तथा कलकत्ता पत्तन पर हड़तालें जिनसे माल की निरन्तर तथा स्थिर रूप में पूर्ति करने में बाधा पहुँची (6) वर्ष 1970-71 के आरम्भिक भाग में संयुक्त राज्य अमरीका में मंदी के कारण कालीन अस्तर के निर्यातों में गिरावट, आदि ।

भारत में उत्पादित कच्चे पटसन के परिमाण तथा क्वालिटी में वृद्धि तथा सुधार के लिये उपाय किये गये हैं । पटसन उद्योग का उत्पादन बढ़ाने के लिये इसके विविधीकरण/आधुनिकीकरण के कार्यक्रम के लिये औद्योगिक वित्त नियम से ऋणों द्वारा वित्तीय सहायता दी जा रही है । वर्ष 1971-72 के लिये निर्यात सम्भाव्यताएं आसाजनक प्रतीत होती हैं ।

Request by Nepal to Export its accumulated Synthetic Textiles to India without Payment of Additional Duty

*1275. SHRI BALATHANDAYUTHAM : Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether the Synthetic Textiles Industry of Nepal has requested the Government of India for permission to export its accumulated stocks to India without the payment of additional duty ; and

(b) if so, Government's reaction thereto ?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI L. N. MISHRA) : (a) and (b) . Yes, Sir. Representations have been received from some of the manufacturers in Nepal requesting for imports into India of synthetic fabrics—including accumulated stocks, without payment of additional duty.

During the meetings last year, between the representatives of the Governments of India and Nepal, India had expressed its willingness to permit import of Synthetic fabrics up to the quantities considered by India to be the level of 1967-68, through normal trading channels. India had also expressed its willingness to consider import of accumulated stocks of synthetic fabrics through the Indian state trading channels. The offers were not accepted by H.M.G. of Nepal. Any future imports by India from Nepal of products—such as synthetic fabrics, manufactured from imported raw materials, would be in accordance with the understanding that may be reached between the two Governments on the new Indo-Nepal Treaty of Trade & Transit which is currently under negotiation.

Inquiry into Air Dropping of Chinese Literature at Araria, Kishanganj, Katihar and Sadar Sub-Division (Bihar)

*1276. SHRI RAMACHANDRAN KADANAPPALLI : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether any enquiry was held into the air dropping of Chinese literature at Araria, Kishanganj, Katihar and parts of Sadar Sub-Division in Bihar on the 21st June, 1971 ; and

(b) if so, the findings thereof and the steps taken by Government in this regard ?